

प्रेस विज्ञप्ति
नागर विमानन मंत्रालय

कोलकाता एफ आई आर (उड़ान सूचना क्षेत्र) में ऊपरी वायुक्षेत्र हारमोनाइजेशन का कार्य किया जाना

नई दिल्ली, 15 जून, 2014 - संरक्षा के एक भाग के रूप में, कोलकाता एफ आई आर में, वायु दिक्चालन सेवाएं सुधार परियोजना - ऊपरी वायुक्षेत्र हारमोनाइजेशन के कार्य को कार्यान्वित करने के लिये आरंभ किया। एक समीक्षा के बाद इसके बारे में बताते हुए श्री अशोक लवासा, सचिव, नागर विमानन ने बताया कि इस परियोजना के मुख्य संघटकों में वी सी सी एस आधारित आई पी का प्रयोग करते हुए कोलकाता से वीएचएफ के दूरस्थ प्रचालन एवं मल्टिपल सैक्टर सहित वायुक्षेत्र की रिस्ट्रिक्चरिंग, मल्टिपल राडार तथा एडीएस-बी सेंसरों का एकीकरण, अत्याधुनिक ए टी एस आटोमेशन प्रणाली शामिल हैं। ऊपरी वायुक्षेत्र (26000 फीट एवं इससे अधिक) के एक एकल सांतन्यक को स्थापित करने की दिशा में यह भाविप्रा के एक प्रयास का भाग है जोकि अधिक संरक्षा तथा, प्रचालन दक्षता सहित सेपरेशन मानकों तथा प्रक्रियाओं के महत्वपूर्ण लाभों सहित एकरूप एप्लिकेशन उपलब्ध कराएगा।

(क) **एकीकृत एटीएस स्वचालित प्रणाली** - एकीकृत स्वचालित प्रणाली कनफिलक्ट अलर्ट, नियंत्रक को न्यूनतम संरक्षा एल्टीट्यूड चेतावनी, आधुनिक डिजीजन सपोर्ट उपकरण तथा अधिक सुधरे हुए एच एम आई के रूप में पर्याप्त संरक्षा नेट उपलब्ध करवाएगा जिससे नियंत्रक अधित शीघ्रता से निर्णय लेने तथा कानफिलक्ट रिजोहल्यूशन लेने के योग्य होगा। ए टी एस आटोमेशन प्रणाली मेट्रो हवाई अड्डों के अतिरिक्त, 38 मध्यम एवं छोटे हवाई अड्डों पर सफलतापूर्वक प्रतिवस्थापित एवं लागू किया गया।

(ख) **मल्टिपल राडार तथा ए डी एस-बी सेंसर का एकीकरण** - विभिन्न उत्पादकों 9 राडारों तथा क्षेत्र के भीतर स्थित 8 एडीएस-बी के आटोमेशन प्रणाली में एकीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं कोलकाता एफ आई आर में पूर्वी क्षेत्र के सभी विमानों के निगरानी चित्रों को देखा जा सकता है। राडारों / एडीएस-बी सेंसर सूचना के आटोमेशन में एकीकरण से नियंत्रकों द्वारा उड़ानों को सीधे रूटों पर प्राधिकृत किया जा सकेगा इससे फ्लाइंट दूरी / समय में कमी, एयरलाइन्सों

ईंधन में बचत तथा ऑनटाइम दक्षता में वृद्धि होगी। राडार आधार व सेपरेशन मिनिमा के एप्लिकेशन के माध्यम से दो विमानों की न्यूनतम दूरी में कमी आएगी।

ए डी एस बी (आटोमेटिक डिपेंडेंट निगरानी - ब्रोडकास्ट)

एटीएस - बी नए युग की, निगरानी तकनीक है जो कि विमान को वायु यातायात नियंत्रक केन्द्रों से जुड़े हुए ग्राउंड स्टेशन की एल्टीट्यूड, गति तथा उन्नावंश के जरिए सूचनाएँ संप्रेषित करता है। यह प्रणाली जी एन एस एस का प्रयोग कर विमान की स्थिति का पता लगाकर रीयल टाइम में इसे ब्रोडकास्ट करती है। जिससे ग्राउंड आटोमेशन प्रणाली विमान यातायात नियंत्रकों को विमान की सटीक स्थिति के लाभ होता है इससे सुरक्षित प्रचालन एवं अधिक सुधरी हुई प्रचालनात्मक दक्षता मिलती है। संपूर्ण महाद्विपीय तथा सामुद्रिक क्षेत्र में निबोध निगरानी सुनिश्चित करने के लिए राडार के मौजूदा नेटवर्क के संपूरक के रूप में भाविप्रा ने 21 स्थलों पर एडीबी-बी के प्रतिष्ठापन का कार्य पहले ही पूर्ण कर लिया है।

(ग) वी सी सी एस (ध्वनी नियंत्रण तथा संचार प्रणाली)

वी सी सी एस एक ऐसी प्रणाली है जिससे एक सिंगल स्विच प्रचालन का प्रयोग करते हुए नियंत्रक आकाश से आकाश, आकाश से भूमि तथा एटीएस इकाई से एटीएस इकाई संचार विनिमय कर सकता है। यह प्रणाली एटीएस इकाई के प्रचालन दक्षता को बढ़ाता है तथा विमान प्रचालन की संरक्षा में बढोत्तरी करता है।

एटीएस इकाईयों तथा नियंत्रक तथा विमान के बीच दक्ष, त्रुटि रहित तथा व्यापक संचार नेटवर्क उपलब्ध करवाने के लिए कोलकाता स्थित के 100 कंट्रोलर पोजीशन तथा दिल्ली स्थित 150 पोजीशन के लिए आईपी आधारित तकनीक वीसीसीएस प्रतिस्थापित किए जा रहे हैं।

कोलकाता एफ आईआर के ऊपरी हारमोनाइजेशन की पहल से एटीएम प्रचालन दक्षता, विमान प्रचालन की संरक्षा, एयरलाइंस की ईंधन दक्षता एयरलाइंस की प्रचालन लागत में बचत तथा ईंधन खपत से कमी से पर्यावरण लाभ, तथा पायलट / नियंत्रकों के कार्यभार में कमी सहित बहुत से सुधार होंगे। इससे पूर्व भी ऊपरी वायुक्षेत्र हारमोनाइजेशन की परियोजना के एक भाग के रूप

में, भाविप्रा ने इसी तरह का परियोजनाएं पूर्ण की है अर्थात महत्वपूर्ण लाभों सहित चेन्नई एफआईआर की स्ट्रिक्चरिंग तथा इसका प्रचालन। इस परियोजना से अन्तरराष्ट्रीय जेन्स एटीसी अवार्ड 2012 जीता।

प्रेस सूचना ब्यूरो द्वारा जारी
नागर विमानन मंत्रालय
विस्तृत ब्योरे के लिए कृपया संपर्क करे
महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) 9810025069
011-24622787
सं 18 / 2014-15